5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 5×3=15

(क) हिंदी भाषा का परिचय;

(ख) आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्‌भव;

(ग) सूफी काव्य धारा;

(घ) भारतेन्दु युग;

(ड़) नई कविता।

29/5/17 Eve.

This question paper contains **4** printed pages]

Roll No.

S. No. of Question Paper : **8553**

Unique Paper Code : **52051221** **GC-4**

Name of the Paper : **MIL (Hindi-A)**

Name of the Course : **B.Com. (Prog.) (C.B.C.S.)**

Semester : **II**

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. कबीर **अथवा** मीरा का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

2. मैथिलीशरण गुप्त **अथवा** रामधारी सिंह दिनकर की कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। 10

3. बिहारी **अथवा** घनानंद की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए। 10

4. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हरि म्हारा जीवन प्राण आधार।

और आसिरा णा म्हारा भें विण, तीनूं लोक मँझार।

थें विण म्हाणे जग णा सुहावाँ, निरख्याँ सब संसार।

मीरा रे प्रभु दासी रावली, लीज्यो णेक णिहार। 10

अथवा

करता था तौ क्यूं रह्या, अब करि क्यूं पछताइ।
बोवै पेड़ बबूल का, अंब कहाँ तैं खाइ।
जांनि बूझि साचहिं तजैं, करैं झूठ सूँ नेह।
ताकी संगति राम जी, सुपिनैं ही जिनि देहु। 10

(ख) मरतु प्यारू पिंजरा-पर्‌यौ सुआ समै कैं फेर।
आदरु दै दै बोलियतु बाइसु बलि की बेर
चल्यौ जाइ, ह्याँ को करै हाथिनु के व्यापार
नहिं जानतु, इहिं पुर बसैं धोबी, ओड़, कुँभार। 10

अथवा

मीत सुजान अनीति करौ जिन हाहा न हूजियै मोहि अमोही।
दीठि कौं और कहूँ नहिं ठौर फिरी दृग रावरे रूप की दोही।
एक बिसास की टेक गहे लगि आस रहे बसि प्रान-बटोही।
हौ घनआनँद जीवनमूल दई कित प्यासनि मारत मोही। 10

(ग) पैरों पर ही है पड़ी हुई
मिथिला भिखारिणी सुकुमारी
तू पूछ, कहाँ इसने खोयीं
अपनी अनन्त निधियाँ सारी ?
री कपिलवस्तु! कह, बुद्धदेव
के वे मंगल-उपदेश कहाँ ?
तिब्बत, ईरान, जापान, चीन
तक गये हुए सन्देश कहाँ ?

अथवा

यों देखकर चिन्तित उन्हें धर ध्यान समरोत्कर्ष का,
प्रस्तुत हुआ अभिमन्यु रण को शूर षोडश वर्ष का
वह वीर चक्रव्यूह-भेदन में सहज सज्ञान था
निज जनक अर्जुन-तुल्य ही बलवान था गुणवान था। 10